नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 128
दि. 07.09.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

संक्षिप्त समाचार

हमने पाले खालिस्तानी आतंकवादी', कनाडा का कबूलनामा

खालिस्तानी आतंकवादियों को पालने की बात कनाडा अब मान ली है। कनाडा के फाइनेंस डिपार्टमेंट की एक नई रिपोर्ट में पहली बार यह स्वीकार किया गया है। इसमें कनाडा ने खालिस्तानी आतंकवादियों को चरमपंथी भी कहा है। इसके अलावा माना कि ये चरमपंथी गुट कनाडा में सक्रिय हैं और उन्हें वित्तीय सहायता मिल रही है। कनाडा का इसे स्वीकार करना भारत के लिए एक बड़ी बात है।

कनाडा की इस रिपोर्ट जिसका शीर्षक "कनाडा में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी को फंडिंग के सबसे बड़े खतरे और कमजोरियां" है।

पीएम मोदी ने पहले दिया डोनाल्ड ट्रंप को जवाब, अब फोन पर की फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से बातचीत

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी के साथ अपने रिश्तों पर बड़ा बयान दिया था जिसका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पर एक पोस्ट के जरिए जवाब दिया। इसके बाद आज अब उनकी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों से बातचीत हुई।

टैरिफ को लेकर जारी टकराव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत-अमेरिका के संबंधों के मुद्दों पर सटीक जवाब दिया। अब प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों से फोन पर लंबी बातचीत की और दोनों देशों के बीच रिश्तों को मजबूत करने के लिए काम करने की बात कही।

दरअसल, पीएम मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों से फोन पर बातचीत की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी है। यह फोन कॉल अहम इसलिए रही क्योंकि एक तरफ रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध पिछले साढ़े तीन साल से जारी है, तो दूसरी ओर भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ और ट्रेड के मुद्दे पर तनातनी की स्थिति है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, ह्लराष्ट्रपति मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा और सकारात्मक मूल्यांकन किया। यूक्रेन में संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के प्रयासों सहित अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी, वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी।

क्यों अहम है ये बातचीत?

पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों के बीच बातचीत अहम इसलिए भी है क्यों कि बीते एक महीने में ये दोनों नेताओं की दूसरी बातचीत है और दोनों ही बार यूक्रेन के मुद्दे पर दोनों के बीच चर्चा हुई। बता दें कि हाल ही में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की की बातचीत के दौरान उनके साथ थे।

ध्यान देने वाली बात यह भी है कि टैरिफ के मुद्दे पर भारत और अमेरिका के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सधा हुआ बयान दिया था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपनी अच्छी दोस्ती होने के साथ ही भारत को अमेरिका का अहम कूटनीतिक मित्र देश बताया था।

हालांकि ट्रंप ने यह भी कहा था कि हाल के दिनों में पता नहीं पीएम मोदी क्यों टैरिफ के मुद्दे पर अलग रुख अपना रहे हैं।

सीएम योगी का तोहफा: ग्रामीण रोडवेज बसों का किराया 20 फीसदी होगा कम, बोले- 'नो हेलमेट... नो फ्यूल' अभियान अच्छा

(जीएनएस)।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को ग्रामीण जनता बस सेवा की सौगात दी। इन बसों में सामान्य से 20 फीसदी किराया कम होगा। इस मौके पर सीएम ने कहा कि परिवहन विभाग चुनौतियों से जूझने को तैयार है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित परिवहन विभाग के कार्यक्रम में पहुंचे। इस मंच से उन्होंने प्रदेश को ग्रामीण जनता सेवा का तोहफा दिया। इसके तहत लखनऊ समेत प्रदेशभर में 250 बसें संचालित की जाएंगी। प्रत्येक डिपो की 10% फ्लीट जनता सेवा की होगी। ये बसें 75-80 किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगी। इसका किराया 20 प्रतिशत तक कम होगा। सीएम आरटीओ कार्यालय से जुड़े 48 कामों के आवेदन के लिए डेढ़ लाख जन सुविधा केंद्रों सहित कई श्रेणियों में बसों की भी सौगात दी।

इस मौके पर सीएम ने परिवहन मंत्री की चुटकी लेते हुए कहा कि आज मंत्री जी जल्दी आ गए, हम तो सोचे थे कि 12 बजे तक आएंगे। लेकिन, आज पहले आ गए। यह प्रमाण है कि परिवहन बदल रहा है। परिवहन विभाग चुनौतियों से जूझने के लिए तैयार है। फाइल लटकाने की आदत खत्म करनी होगी। समय की प्रतिबद्धता तय करनी होगी।।

कुंभ और कोरोना के दौरान परिवहन विभाग ने करके दिखाया है। उस वक्त यूपी वासियों को उनके गांव तक पहुंचाया। उत्तराखंड के प्रवासी को भी पहुंचाया। चालक-परिचालकों ने सफलता पूर्वक पहुंचाया। महाकुंभ में भी परिवहन विभाग ने 45 दिन में तमाम लोगों की सेवा की। उन्हें पुण्य कमाने में मदद की। रेलवे स्टेशन से लोगों को बाहर पहुंचने में मदद की। परिवहन विभाग हमेशा प्रदेश के अंदर समय का साथी है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि परिवहन सेवाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। आज कई नई परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। कामन सर्विस सेंटर पर लोग परिवहन की सेवा ले सकेंगे। आईआईटी, खड़गपुर के साथ टडव होना तकनीकी रूप से समृद्ध करेगा। 149 यात्री के लिए अहम है। यह मददगार साबित होगा। आज सात बस स्टेशन का शिलान्यास हो रहा है। 54 अन्य वर्ड क्लास स्टेशन बनेंगे।

सड़क सुरक्षा के लिए करना होगा जागरूक

सीएम ने कहा कि बेहतरी के लिए तैयार रहना होगा। सड़क सुरक्षा चुनौती है। यह हमारी ही जिम्मेदारी है। इसके लिए कोरोना की तरह ही लोगों को जागरूक करना होगा। क्योंकि, सड़क हादसों में लगातार मौतों हो रही हैं। अब हमें उसे न्यूनतम स्तर पर लाना है। यदि परिवहन निगम की लापरवाही से जनहानि होती है तो आर्थिक और सामाजिक दोनों तरह की क्षति होती है।

ड्राइवर का हर तीन माह में मेडिकल फिटनेस होना चाहिए। ये सुनिश्चित करें कि चालक अंदाजे से न चलें। क्योंकि, बस में बैठे व्यक्ति की हमारी जिम्मेदारी है। इसके लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करें। तत्परता दिखाएं। विभिन्न संस्थाओं को साथ जोड़ें। स्कूल कॉलेज में जागरूक करें। बताएं कि हेलमेट से कैसे बचा सकता है। शराब कैसे जनहानि पहुंचा सकती है। ये सारी बातें लोगों को बताएं। ताकि लोगों की जान बचाई जा सके।

सड़क सुरक्षा के लिए जिम्मेदारी लेना होगा

मुख्यमत्री ने अपने संबोधन में आगे कहा कि 'नो हेलमेट... नो फ्यूल' अभियान अच्छा है। इस तरह छोटे-छोटे प्रयासों की जरूरत है। सड़क सुरक्षा के लक्ष्य के लिए सभी को साथ लगना होगा। यूपी पुलिस को भी कहा है। उन्होंने एप विकसित किया है। काम किया तो परिणाम निकले हैं। जहां 18 दुर्घटनाएं होती थीं, वह तीन पर आ गई हैं। इस तरह के प्रयोग करना होगा।

परिवहन विभाग के अधिकारियों को उतरना पड़ेगा। टेंपो, रिक्शा, ट्रक के खड़े होने की जगह तय करनी होगी। यह परिवहन विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी है। नेट जीरो यानी कार्बन उत्सर्जन पर कार्य करना होगा। नगर और परिवहन विभाग मिलकर तीन लाख नई नौकरी विकसित कर सकते हैं। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करें। कोई नाबालिग गाड़ी न चलाने पाए। यह सुनिश्चित करना होगा।

इन सेवाओं का भी हुआ शुभारंभ और उद्घाटन

इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरटीओ कार्यालय से जुड़े 48 कामों के आवेदन के लिए 1.50 लाख जन सुविधा केंद्रों का उद्घाटन भी किया। साथ ही आठ इलेक्ट्रिक एसी डबल डेकर बसों, 16 इलेक्ट्रिक बसों, एक रिट्रोफिट इलेक्ट्रिक, 10 सीएनजी बसों, दो अन्य श्रेणी की एसी बसों, टाटा कंपनी की 20 साधारण बसों, आयशर कंपनी की 43 बसों का भी उद्घाटन किया। साथ ही 400 बीएस-सिक्स बसों का भी शुभारंभ हुआ। परिवहन विभाग की 11 इंटरसेप्टरों को भी हरी झंडी दिखाई गई।

चालक-परिचालक में 50-50 फीसदी बांटा जाएगा कमीशन

बताते चलें कि ग्रामीण जनता सेवा की बसों के लिए अलग से रूट बनाए जाएंगे। रूट के चालक-परिचालकों को 80% लोड फैक्टर लाना होगा। इससे अधिक कमाई होने पर चालक-परिचालक में कमीशन 50-50 फीसदी बांटा जाएगा। 2.6 पैसे प्रति किमी की दर से ड्राइवर व कंडक्टर को भुगतान किया जाएगा। जिन डिपो में जो बसें 8 से 10 साल की आयु पूरी कर चुकी होंगी, उन्हीं बसों को ग्रामीण जनता सेवा में चलाया जाएगा। अभी रोडवेज बसों का किराया 1.30 रुपये प्रति किमी की दर से यात्रियों से लिया जाता है, लेकिन जनता सेवा में 1.04 रुपये प्रति किमी की दर से लिया जाएगा। 100 रुपये किराया होने पर यात्रियों को 80 रुपये ही देने होंगे।

परिवहन निगम अधिकारी बताते हैं कि सपा सरकार के कार्यकाल में लोहिया ग्रामीण बस सेवाएं चलाई गई थीं, वैसे ही मुख्यमंत्री ग्रामीण जनता सेवा चलाई जाएगी। ग्रामीणों को इससे लाभ होगा। छोटे बिजनेस करने वालों को अपना सामान बाजार तक पहुंचाना आसान होगा। फल, सब्जी और दूध आसानी से लाया और ले जाया सकेगा। किराया भी कम लगेगा।

अरवल्ली जिले में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम में हुए एमओयू से 460 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश, रोजगार के नए 1300 अवसर सृजित होंगे

अरवल्ली, 06 सितंबर : अरवल्ली जिला मुख्यालय मोडासा में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उद्योग एवं खान-खनिज विभाग द्वारा कुल 10 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। उद्योग विभाग के 5 एमओयू के माध्यम से 344.23 करोड़ रुपए तथा खान एवं खनिज विभाग के 5 एमओयू के माध्यम से 125 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इन परियोजनाओं द्वारा अनुमानित 1300 लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, जो अरवल्ली जिले के आर्थिक तथा औद्योगिक विकास को नई गति देंगे। तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन से शुरू हुई वाइब्रेंट गुजरात

समिट के सफल मॉडल को अब राज्य के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में प्रादेशिक (क्षेत्रीय) स्तर पर विस्तृत कर राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए नया अध्याय शुरू किया गया है।

इस अवसर पर उद्योग आयुक्त श्री पी. स्वरूप (आईएएस) ने अपने संबोधन में कहा, '2003 में शुरू हुई वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल आज रीजनल स्तर पर पहुँची है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक सामूहिक प्लेटफॉर्म तैयार हुआ है, जो स्किल डेवलपमेंट, एमएसएमई तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रहा है। आज इस प्लेटफॉर्म द्वारा उद्योगों को प्रोत्साहन मिल रहा है, जो गुजरात के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।'

औद्योगिक क्षेत्र में हुए बदलाव के विषय में गुजरात खनिज विकास निगम (जीएमडीसी) के प्रबंध निदेशक श्री रूपवंत सिंह (आईएएस) ने कहा, ह्लआज हम एआई के युग में नई ऊँचाइयाँ पार कर रहे हैं। पिछले 100 वर्षों में औद्योगिक क्षेत्र में अनेक बदलाव आए हैं। वाइब्रेंट गुजरात का अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय स्तर पर आयोजन सफल नेतृत्व का परिणाम है। इस पहल से गुजरात के उद्योगों को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है।

माननीय जिला कलेक्टर सुश्री प्रशस्ति पारीक ने कहा, ह्लयह रीजनल कॉन्फ्रेंस अरवल्ली जिले के विकास का उदाहरण है इस पहल से जिले के उद्योगों तथा रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। अरवल्ली जिला आज औद्योगिक विकास के नए युग में प्रवेश कर रहा है।

किसानों को बड़ी राहत, अन्नदाता की मुस्कान ही राज्य की ताकत - सीएम डॉ. मोहन यादव

मध्य प्रदेश सरकार, मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में, हाल की भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों का समर्थन करने के लिए 20 करोड़ रुपये वितरित किए हैं। सरकार

चुनौतीपूर्ण समय में किसानों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मध्यप्रदेश की सरकार हर संकट में किसानों के साथ खड़ी है। इस स्पष्ट संदेश के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 6 सितंबर को अतिवृष्टि-बाढ़ से क्षतिग्रस्त फसलों के लिए राहत राशि का वितरण किया।

राजस्थान में बारिश ने तोड़े रिकॉर्ड: 37 जिलों में औसत से 120% तक ज्यादा बरसात

राजस्थान में इस बार मानसून ने सामान्य से कहीं ज्यादा बरसात कर हालात बदल दिए हैं। प्रदेश में औसत

से 63% अधिक यानी 617 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की जा चुकी है। 41 में से 37 जिलों में औसत से 60 से 120 फीसदी तक ज्यादा पानी बरसा है।

मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक पूर्वी जिलों-कोटा, उदयपुर, अजमेर, डूंगरपुर और चित्तौड़गढ़ में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।बीते 24 घंटे में कई शहरों में झमाझम बारिश हुई।

'मैं तेरे ऊपर एक्शन लूंगा', आईपीएस अंजना कृष्णा को फोन पर धमकाने वाले अजित पवार ने अब दी सफाई

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा के बीच फोन पर हुई गरमागरम बहस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस घटना ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी और डिप्टी सीएम विपक्ष के निशाने पर आ चुके हैं। लेडी आईपीएस अधिकारी की फोन पर बुरी तरह फटकार लगाते हुए धमकाने के बाद अब अजित पवार ने अपनी सफाई पेश की है।

दरअसल, ये मामला सोलापुर में अवैध मुरम उत्खनन के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को रोकने के प्रयास से जुड़ा है। आईपीएस अंजना कृष्णा जब ये कार्रवाई करने पहुंची तो एनसीपी नेताओं ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार को फोन मिला दिया और डिप्टी सीएम ने फोन पर कार्रवाई रोकने का आदेश दिया,

जिस पर आईपीएस अधिकारी और डिप्टी सीएम के बीच गरमागरम बहस हुई और अधिकारी ने उन्हें पहचानने से इनकार कर दिया, इस पर अजित पवार ने गुस्से में आकर आईपीएस अंजना को धमकी तक दे डाली। जिसका वीडियो वायरल हुआ तो अब डिप्टी सीएम ने अजित पवार ने सफाई दी है।

अजित पवार ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा, "सोलापुर में पुलिस अधिकारियों के साथ मेरी बातचीत से संबंधित कुछ वीडियो प्रसारित हो रहे हैं, जिनका मुझे संज्ञान है। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मेरा उद्देश्य कानूनी प्रक्रिया में हस्तक्षेप करना नहीं था, बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि स्थिति शांत बनी रहे और आगे न बढ़े।"

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

धामी सरकार के चार साल कार्यकाल में 25 हजार सरकारी नौकरियां, इस योजना से विदेश में भी रोजगार

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में चार साल में 25 हजार युवाओं का चयन सरकारी सेवा में हुआ है। धामी सरकार के कार्यकाल के दौरान युवाओं का सरकारी नौकरी में रिकॉर्ड 25 हजार का चयन होना एक कीर्तिमान बन गया है। इतना ही नहीं राज्य सरकार की पहल पर मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना से विदेश में भी रोजगार दिया जा रहा है।

धामी सरकार ने साल 9 नवंबर 2022 से मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना शुरू की है, इसके लिए युवाओं को आतिथ्य, नर्सिंग, ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करते हुए जर्मनी और जापान में रोजगार प्रदान किया जा रहा है। योजना के तहत अब तक 154 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा

चुका है, जिसमें से 37 को जापान में रोजगार प्रदान किया जा चुका है।

सीएम धामी ने 4 जुलाई 2021 को कार्यभार ग्रहण किया। धामी सरकार ने युवाओं को रोजगार और स्किल प्रदान करने पर विशेष तौर पर फोकस किया। इस दौरान लोक सेवा आयोग, उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, चिकित्सा सेवा चयन आयोग के जरिए 25 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं में स्थायी रोजगार प्रदान किया जा चुका है।

उत्तराखंड लोकसेवा आयोग, अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड के स्तर पर अभी कई विभागों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। कुछ मामलों में जल्द ही अंतिम चयन संस्तुति की जाने वाली है, इस कारण कुल स्थायी नौकरियों का यह आंकड़ा अभी और बढ़ने वाला है।

धामी सरकार ने 2024 में सख्त नकल विरोध कानून लागू करते हुए, नकल माफिया की कमर तोड़ने का काम किया है। इसके बाद से एक भी परीक्षा में पेपरलीक नहीं हुआ है, यही नहीं धामी सरकार पेपर लीक में शामिल 100 से अधिक माफिया का जेल भी भेज चुकी है।

जीएसटी सुधार से मध्यमवर्ग को बड़ी राहत, अर्थव्यवस्था में आएगी नई ऊर्जा: केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, 06 सितम्बर

वित्तीय मोर्चे पर एक बड़े कदम के तहत केंद्र सरकार ने गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (GST) में व्यापक सुधार कर आम और खास, विशेषकर मध्यमवर्गीय परिवारों को बड़ी राहत दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिए गए इस फैसले से न केवल रोजमर्रा के खर्च कम होंगे बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी।

वैष्णव ने बताया कि पहले इनकम टैक्स में सुधार कर 12 लाख रुपये तक की आय पर छूट दी गई थी। अब GST दरों में कमी और सरलीकरण कर मध्यमवर्गीय परिवारों को बड़ा फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि रोटी, कपड़ा, मकान जैसी बुनियादी वस्तुओं से लेकर टीवी, रेफ्रिजरेटर, मोबाइल, पावर बैंक और सोलर पैनल जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों तक, लगभग हर घर में इस्तेमाल होने वाली चीजों पर टैक्स का बोझ घटा है।

उन्होंने कहा कि देश की ऋद्ध करीब 330 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें 202 लाख करोड़ का हिस्सा खपत का है। यदि GST राहत से खपत 10% भी बढ़ती है तो 20 लाख करोड़ की अतिरिक्त GDP उत्पन्न होगी। उत्पादन बढ़ने से रोजगार में वृद्धि होगी और निवेश को भी बल मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि मध्यमवर्गीय परिवारों के हाथ में बचत बढ़ेगी। यह बचत या तो सेविंग में जाएगी, या लोग अधिक सामान खरीदेंगे, या फिर निवेश करेंगे। इन तीनों गतिविधियों से अर्थव्यवस्था को नया बल मिलेगा और "पॉजिटिव साइकिल" शुरू होगी।

ग्रामीण और साधारण उपभोक्ताओं तक इस संदेश को पहुँचाने के लिए पार्टी व सरकार चौपालों, जनसभाओं और मीडिया के जरिए व्यापक अभियान चलाएँगी।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग पर विशेष रूप से बात करते हुए वैष्णव ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में इस सेक्टर का उत्पादन 6 गुना और निर्यात 8 गुना बढ़ा है। आज 25 लाख लोग इसमें रोजगार पा रहे हैं और मोबाइल फोन से लेकर बैटरी और चिप तक का उत्पादन देश में हो रहा है। सेमीकंडक्टर और API (फार्मा) मैन्युफैक्चरिंग भी भारत में शुरू हो चुकी है।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी उद्योग संघों ने वादा किया है कि GST रियायतों का सीधा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँचेगा। वित्त मंत्री ने भी स्पष्ट किया है कि यदि कंपनियां लाभ ट्रांसफर नहीं करेंगी तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वैष्णव ने कहा कि यह सुधार केवल टैक्स स्ट्रक्चर को सरल बनाने तक सीमित नहीं है बल्कि आत्मनिर्भर भारत और आर्थिक वृद्धि की दिशा में एक नया अध्याय है।

पर्यटन कूटनीति के अंतर्गत बड़ी पहल : अंतरराष्ट्रीय पर्यटन एक्सपो वियतनाम 2025 में आईआरसीटीसी ने बढ़ाया वैश्विक प्रभाव

नई दिल्ली, 06.09.2025:

भारत के प्रधानमंत्री ने वर्ष 2025 को "आसियान-भारत पर्यटन वर्ष" घोषित किया है और आसियान देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक, आर्थिक और पर्यटन संबंधों को और सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। यह महत्वपूर्ण घोषणा पर्यटन को लोगों के बीच आपसी जुड़ाव, साझा समृद्धि और भारत व आसियान देशों के बीच मित्रता के बंधन को मजबूत करने का माध्यम मानती है।

इस नई पहल के तहत भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) को वियतनाम में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित इंटरनेशनल टूरिज्म एक्सपो (क्ळए) वियतनाम 2025 में भारत की भागीदारी आयोजित करने का दायित्व दिया गया है। यह आयोजन 4 से 6 सितंबर 2025 तक सैगॉन एक्ज़िबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (रएउउ), हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम में आयोजित किया गया जिसमें आईआरसीटीसी के डायरेक्टर राहुल हिमालयन और कई दूसरे प्रतिनिधियों में हिस्सा लिया। आईआरसीटीसी यहां एक विशेष आसियान-भारत पैवेलियन स्थापित किया, जिसमें भारत के विविध पर्यटन उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे झ जिनमें देश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, आध्यात्मिक एवं वेलनेस पैकेज, प्राकृतिक सौंदर्य, साहसिक गतिविधियाँ और विश्वस्तरीय लक्जरी ट्रेनें शामिल हैं। इन ट्रेनों में महाराजा एक्सप्रेस, गोल्डन चैरीअट और बौद्ध सर्किट लक्जरी एसी ट्रेन आकर्षण के प्रमुख केंद्र रहे। साथ ही आसियान देशों के पर्यटन दृश्य और आकर्षण भी प्रदर्शित किया गया । हो ची मिन्ह सिटी में भारतीय वाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत श्री विप्र पांडेय ने इस पैवेलियन का उद्घाटन किया।

इस नए सहयोग और 2025 को आसियान-भारत पर्यटन वर्ष के रूप में मनाने की तैयारी के तहत, आईआरसीटीसी ने विदेश मंत्रालय के सहयोग से भारत और आसियान देशों के पर्यटन क्षेत्र के प्रतिनिधियों को पाटा ट्रैवल मार्ट 2025 (बैंकॉक) में एकजुट किया। यह भारत-आसियान सांस्कृतिक और पर्यटन सहयोग के लिए एक नए युग की शुरूआत थी। बैंकॉक स्थित आसियान-भारत पैवेलियन का उद्घाटन थाईलैंड में भारत के राजदूत श्री नागेश सिंह ने किया। उनकी सक्रियता से इस पहल को और अधिक गति मिली। इसके अतिरिक्त, 28 अगस्त 2025 को थाईलैंड में एक रोड शो भी आयोजित किया गया, जिसमें पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया और यह कार्यक्रम कार्यक्रम सफल रहा।

आईटीई वियतनाम में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आईआरसीटीसी कर रहा है। इसमें भारत के प्रमुख पर्यटन जीएसए, राज्य पर्यटन बोर्ड के अधिकारी और आसियान देशों के प्रतिनिधि झ पर्यटन व्यापार और नीति निर्माण संस्थाएं झ शामिल हैं। यह सामूहिक भागीदारी प्रधानमंत्री की उस दृष्टि को मूर्त रूप देती है, जिसमें भारत और आसियान एक साथ विकास और पर्यटन सहयोग की दिशा में आगे बढ़ें।

आसियान-भारत पैवेलियन की स्थापना के अलावा आईआरसीटीसी को पूरे भारतीय प्रतिनिधिमंडल की लॉजिस्टिक्स व्यवस्था की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। साथ ही, आईआरसीटीसी हो ची मिन्ह सिटी में आसियान-भारत पर्यटन रोड शो का आयोजन कर रहा है, जिसमें भारत-आसियान पर्यटन उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गयी। इस दौरान स्थानीय ट्रैवल एजेंटों और टूर ऑपरेटरों से सीधा संवाद स्थापित कर नए कारोबारी साझेदारी के अवसर तलाश किए।

मुंबई लोकल ट्रेन के इस रूट पर रविवार को रहेगा जंबो ब्लॉक, चेक करें लेटेस्ट शेड्यूल

(जीएनएस)।

मुंबई में अगर आप लोकल ट्रेन का सफर करते हैं तो ऐसे यात्रियों के लिए अहम खबर सामने आई है। 7 सितंबर 2025 यानी रविवार को मुंबई लोकल ट्रेन के कुछ रूट पर मेगा ब्लॉक रहेगा। जिसके चलते संडे के दिन यात्रियों को असुविधा होने होगी।

ये जंबो ब्लॉक सांताक्रूज और गोरेगांव स्टेशनों के बीच घोषित किया गया है। चूंकि ये पांच घंटों का जंबो ब्लॉक होगा इससे यत्रियों को भारी मुश्किल का सामना करना पड़ सकता

इस ब्लॉक के दौरान, सभी तेज गति वाली ट्रेनें गोरेगांव और सांताक्रूज के बीच धीमी लाइनों पर चलाई जाएँगी। इस बदलाव से उन हजारों दैनिक यात्रियों का यात्रा समय बढ़ने की आशंका है, जो शहर भर में तेजी से आवागमन के लिए तेज ट्रेनों पर निर्भर रहते हैं।

साथ ही, कई उपनगरीय ट्रेनों को

रद्द किया जाएगा या उनकी यात्रा को छोटा कर दिया जाएगा। इससे दोपहर के समय भीड़ और असुविधा बढ़ सकती है। यह ब्लॉक 7 सितंबर, 2025 को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक, वढ और उ्डहठ दोनों फास्ट लाइनों पर लागू रहेगा।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस जंबो ब्लॉक का उद्देश्य महत्वपूर्ण ट्रैक, ओवरहेड इक्विपमेंट (OHE) और सिग्नलिंग का रखरखाव करना है। अधिकारियों ने बताया कि ये कार्य रेलवे नेटवर्क के सुचारु और सुरक्षित संचालन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे अंतिम समय की परेशानी से बचने के लिए अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें। रद्द की गई और छोटी की गई ट्रेनों की पूरी सूची वेस्टर्न रेलवे नेटवर्क के सभी स्टेशन मास्टर कार्यालयों में उपलब्ध करा दी गई है।

मुंबईकरों को इस रविवार अतिरिक्त धैर्य की आवश्यकता हो सकती है। हालांकि, अधिकारी आश्वासन देते हैं कि यह अल्पकालिक असुविधा शहर के सबसे व्यस्त रेल गलियारे को भविष्य के लिए सुरक्षित और विश्वसनीय बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

उत्तर भारत को जल्द मिलेगी बारिश से राहत, मौसम विभाग ने बता दिया कब लौट जायेगा मानसून?

(जीएनएस)।

इस वक्त पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से लेकर सुदूर कोंकण तक भारी बारिश की वजह से मुश्किल हालात बने हुए हैं। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजधानी दिल्ली का निचला इलाका समेत देश का बड़ा हिस्सा भारी बारिश की वजह से बाढ़ से जूझ रहा है। हालांकि, आने वाले दिनों में लोगों को भारी बारिश से राहत मिल सकती है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 6 सितंबर के बाद से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में बारिश की रफ्तार कम होने लगेगी। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान समेत उत्तर भारत के राज्यों में आने वाले सप्ताह में भारी बारिश से राहत मिलने लगेगी।

पंजाब, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली का एक हिस्सा इस वक्त बाढ़ की त्रासदी झेल रहा है। इन राज्यों के लिए बारिश का थमना राहत की खबर साबित हो सकती है। बरसात की वजह से नदियां उफान पर हैं और लोगों को अपना घर छोड़कर अस्थायी राहत कैंप में शरण लेनी पड़ रही है।

मौसम विभाग ने बताया कि इस बार मानसून की वापसी सामान्य से थोड़ी देरी से हो रही है। हालांकि, 7 से 10 सितंबर के बीच पश्चिमी उत्तर

प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर में अच्छी बारिश देखने को मिल सकती है। वहीं, पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश और भूस्खलन का अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद से बारिश की रफ्तार में कमी आने लगेगी और लोगों को राहत मिलेगी। अगले तीन दिन कोंकण क्षेत्र में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा, पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में भी आने वाले सप्ताह में हल्की से तेज बारिश का अलर्ट है।

इस बार देरी से क्यों लौट रहा है?

इस बार मानसून के देरी से लौटने के पीछे मौसम वैज्ञानिकों ने कई कारण बताए हैं। IMD के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय मोहपात्रा ने पुष्टि की है कि 2025 में मानसून की वापसी 17 सितंबर के बाद से होगी और अक्टूबर के पहले सप्ताह तक यह पूरी तरह से लौट सकता है। मानसून के देरी से लौटने के पीछे कई कारण हैं:

- एक अध्ययन के अनुसार, पिछले 50 वर्षों में मानसून का समय लगभग प्रत्येक दशक में 1.6 दिनों की दर से बढ़ा है, जिसका सीधा असर मानसून की देर से वापसी पर पड़ा है। इसके पीछे जलवायु परिवर्तन का असर भी मुख्य कारक है।
- एल-नीनो प्रभावः प्रशांत महासागर में एल-नीनो की स्थिति मानसून की गतिविधियों को धीमा कर रही है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में असंतुलन बना है जिसकी वजह से नमी और हवाओं का असमान वितरण बारिश को प्रभावित कर रहा है।
- पश्चिमी विक्षोभ की कमीः उत्तरी भारत में मौसम बदलने वाले सिस्टम कम सक्रिय रहे। इसी वजह से इस बार जून-जुलाई से ज्यादा बारिश अगस्त में हुई और सितंबर में भी ज्यादा बारिश का अनुमान है।

वेस्टर्न रेलवे मजदूर संघ, साबरमती शाखा द्वारा सचिव श्री शिवशंकर बुंदेला को पदोन्नति पर विदाई एवं सम्मान समारोह

अहमदाबाद, वेस्टर्न रेलवे मजदूर संघ की साबरमती शाखा ने आज

अपने लोकप्रिय सचिव श्री शिवशंकर बुंदेला को पदोन्नति मिलने पर एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया। श्री बुंदेला को उनके सराहनीय कार्यों और समर्पण के लिए यह सम्मान दिया गया, जिन्होंने यूनियन नेता के रूप में अपनी सेवा के बाद अब एक अधिकारी का पदभार संभाला है। यह समारोह श्री बुंदेला की पदोन्नति के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया है। उन्हें पर्यवेक्षक से अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। समारोह के दौरान, संघ के सदस्यों और पदाधिकारियों ने श्री बुंदेला के रेलवे में उनके लंबे और सफल सफर को याद किया। उन्होंने अपनी नौकरी की शुरूआत एक चार्जमैन के रूप में की थी और अपनी कड़ी मेहनत और नेतृत्व क्षमता से एक लोकप्रिय यूनियन नेता के रूप में अपनी पहचान स्थापित की। वेस्टर्न रेलवे मजदूर संघ, साबरमती शाखा के अध्यक्ष और पदाधिकारियों ने श्री बुंदेला को उनकी शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

ओबीसी एसोसिएशन के प्रतिनिधि श्री भाविक पटनी / कार्यकारी अध्यक्ष

बिहार में मौसमः अगले तीन दिन भारी बारिश और ठनका, 20 जिलों में येलो अलर्ट, जनजीवन पर असर

(जीएनएस)।

बिहार में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। मौसम विज्ञान केंद्र ने राज्य के लिए अगले तीन दिनों तक येलो अलर्ट जारी किया है। रविवार से मंगलवार तक उत्तर और पश्चिम बिहार के कई जिलों में भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।

विभाग ने लोगों को सतर्क रहने, अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने और सुरक्षित स्थान पर शरण लेने की अपील की है। आज (रविवार) को पूरे बिहार में बारिश के आसार हैं। पश्चिम चंपारण, मुजफ्फरपुर, सारण, दरभंगा, मधुबनी समेत उत्तर बिहार के 12 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना। सभी 19 जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की आशंका है।

30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। सोमवार 8 सितंबर को उत्तर बिहार और दक्षिण-पश्चिम बिहार के 25 जिलों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की गई है। अररिया और किशनगंज में भारी बारिश का विशेष अलर्ट है। इसके साथ ही सभी जिलों में सभी जिलों में ठनका गिरने की आशंका बरकरार रहेगी।

अलर्ट का असर - जनजीवन पर पड़ने वाला प्रभाव

शहरी इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन सकती है।

भारी बारिश के समय यातायात प्रभावित हो सकता है।

लोगों को घर से बाहर निकलने में दिक्कतें होंगी।

खेतों में काम करने वाले किसानों और खुले स्थान पर रहने वालों के लिए आकाशीय बिजली से खतरा।

बारिश की कमी और उम्मीदें

इस मानसून सीजन में अब तक बिहार में बारिश सामान्य से काफी कम रही है।

सामान्य बारिशः 820.9 मिमी

अब तक दर्ज बारिशः 565.4 मिमी

घाटाः 31% कम बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से नमी युक्त हवाएं लगातार बिहार की ओर बढ़ रही हैं। साथ ही मानसून ट्रफ लाइन प्रदेश से होकर गुजर रही है और धीरे-धीरे सक्रिय हो रही है। इससे आने वाले दिनों में बारिश की तीव्रता और बढ़ने की संभावना है।

ग्रीन जोन जिले

कुछ जिलों को ग्रीन जोन में रखा गया है, जहां मौसम सामान्य रहेगा। इनमें शामिल हैं - पटना, गया, नवादा, नालंदा, जहानाबाद, बेगूसराय, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, जमुई, बांका, शेखपुरा, सारण, गोपालगंज, सीवान, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण और लखीसराय। यहां धूप और उमस लोगों को परेशान करेगी।

मौसम विभाग की अपील

बारिश और गरज-चमक के समय खुले स्थान पर न जाएं।

खेत-खलिहान में काम करने से बचें।

बड़े पेड़, बिजली के खंभे या खुले मैदान में खड़े न हों।

बच्चों और बुजुर्गों को घर से बाहर न निकालें।

क्या सच में चंद्र ग्रहण के दौरान खाना नहीं खाना चाहिए? धार्मिक मान्यता और वैज्ञानिक कारण

(जीएनएस)।

आकाश में जब चंद्रमा की चमक अचानक धुंधली पड़ जाती है और उसका स्वरूप लालिमा लिए "ब्लड मून" बन जाता है, तो यह दृश्य हर किसी को आकर्षित करता है। लेकिन हिंदू धर्म और ज्योतिषीय मान्यताओं में चंद्र ग्रहण (उँल्लरि्ं ऋॅ्रँल्ल 2025) केवल एक खगोलीय घटना नहीं, बल्कि आस्था और परंपराओं से गहराई से जुड़ा विषय है।

इस बार साल का दूसरा और अंतिम चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 की रात को लगेगा। यह ग्रहण रात 8:58 बजे शुरू होगा और 1:26 बजे तक चलेगा। भारत सहित एशिया, यूरोप, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के कुछ हिस्सों में इसे देखा जा सकेगा।

क्या है सूतक काल?

हिंदू धर्म में ग्रहण के दौरान लगभग 9 घंटे सूतक काल शुरू हो जाता है। चंद्र ग्रहण के लिए सूतक काल ग्रहण लगने से 9 घंटे पहले शुरू होता है। इस बार यह 7 सितंबर दोपहर 12:57 बजे से प्रारंभ होगा और 8 सितंबर सुबह 1:26 बजे तक चलेगा। मान्यता है कि इस अवधि में वातावरण में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ जाता है। इसी कारण मंदिरों के कपाट बंद कर दिए जाते हैं और पूजा-पाठ वर्जित हो जाता है।

ग्रहण काल में भोजन क्यों मना है?

धार्मिक मान्यता के अनुसार, ग्रहण के दौरान भोजन अशुद्ध हो जाता है और उसे ग्रहण करना पाप माना गया है। स्कंद पुराण में उल्लेख है कि इस समय भोजन करने से पुण्य नष्ट हो जाता है। इसीलिए सूतक लगते ही भोजन में तुलसी पत्र या कुशा डालने की परंपरा है, ताकि वह नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षित रहे।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी यह सही माना गया है। ग्रहण के समय सूर्य की किरणें अवरुद्ध होने से वातावरण में बैक्टीरिया और सूक्ष्म जीवाणुओं की वृद्धि हो जाती है, जो भोजन को जल्दी दूषित कर सकते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, इस दौरान पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है, इसलिए गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को भोजन और जल के सेवन से बचना चाहिए।

जल पीना क्यों मना है?

ग्रहण के दौरान जल में राहु-केतु की छाया का प्रभाव बताया गया है। माना जाता है कि इससे कफ दोष बढ़ता है और पाचन तंत्र पर नकारात्मक असर पड़ता है। शास्त्रों में ग्रहण काल के जल को दूषित माना गया है, इसलिए इसे पीने से पहले त्याग देना चाहिए।

वैज्ञानिक रूप से देखा जाए तो ग्रहण के समय वायुमंडल में सूक्ष्म कणों और जीवाणुओं की सक्रियता बढ़ जाती है, जो जल को अशुद्ध बना सकती है। इसी कारण ग्रहण समाप्ति के बाद नया जल भरकर ही उसका सेवन करना चाहिए।

चंद्र ग्रहण का यह खगोलीय और धार्मिक संगम न केवल अद्भुत दृश्य है, बल्कि यह हमें प्राचीन परंपराओं, स्वास्थ्य और विज्ञान के बीच गहरे संबंधों को भी समझाता है। इस ग्रहण के साथ पितृपक्ष की शुरूआत भी हो रही है, इसलिए इसे और भी खास माना जा रहा है

दिल्ली पावर कट अलर्ट! इन इलाकों में घंटों बिजली गुल, यहां जानें कब और क्यों हो रही कटौती

(जीएनएस)।

: दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लाखों उपभोक्ताओं के लिए बड़ी खबर है। 7 सितंबर को राजधानी के कई हिस्सों में शेड्यूल्ड पावर कट होने वाला है। बिजली वितरण कंपनी ने आधिकारिक घोषणा की है कि यह कटौती पूरी तरह से मेंटेनेंस, मीटरिंग वर्क और नेटवर्क अपग्रेडेशन का हिस्सा होगी।

विभाग का कहना है कि इस असुविधा का उद्देश्य उपभोक्ताओं को भविष्य में बेहतर और स्थायी बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराना है। दिल्ली-ठउफ के किन इलाकों में पॉवर कट रहेगा इसकी पूरी लिस्ट नीचे देखें...

किन-किन इलाकों में रहेगा असर?

मोहान गार्डन

मोहान गार्डन क्षेत्र में दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। यहाँ ल्हश्ऊ- मेंटेनेंस और ट्रांसफॉर्मर से जुड़ा कार्य किया जाएगा। प्रभावित इलाके हैं:

ब्लॉक ढ-2, मोहन गार्डन, राजापुर खुर्द

ब्लॉक ढ, मोहन गार्डन, राजापुर खुर्द

ब्लॉक ऊ भगवती गार्डन,

नवादा

ब्लॉक ल, भगवती गार्डन, नवादा

हौज खास

हौज खास क्षेत्र में सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक पावर कट रहेगा। इस दौरान 11ङश फीडर और केबल रूट की खुदाई का कार्य किया जाएगा। प्रभावित क्षेत्रः

गौतम नगर

मुंडका

मुंडका इलाके में सुबह 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। यहां पर छळ सर्किट नेटवर्क अपग्रेडेशन का काम होगा। प्रभावित क्षेत्रः

ब्लॉक 2उ, नांगलोई एक्सटेंशन, नांगलोई

विकासपुरी और ओम विहार

बिजली विभाग ने बताया है कि विकासपुरी और ओम विहार क्षेत्र में भी आज मेंटेनेंस कार्यों की वजह से कुछ समय के लिए आपूर्ति बाधित रहेगी।

उपभोक्ताओं के लिए क्या है जरूरी सलाह?

बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे कटौती के दौरान अपने जरूरी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे मोबाइल, लैपटॉप, इनवर्टर आदि को पहले से चार्ज कर लें और वैकल्पिक व्यवस्था कर लें। विभाग ने आश्वासन दिया है कि यह असुविधा अस्थायी है, लेकिन अपग्रेडेशन और मरम्मत के बाद बिजली आपूर्ति पहले से अधिक स्थिर और बेहतर होगी।

विभाग का कहना है कि इन कार्यों के बाद अचानक होने वाली अनियोजित बिजली कटौती की घटनाओं में कमी आएगी और उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी।

शिकायत कहां करें?

यदि किसी इलाके में तय समय से ज्यादा देर तक बिजली आपूर्ति बाधित रहती है, तो उपभोक्ता विभाग की हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर सकते हैं या आधिकारिक वेबसाइट के जरिए अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

क्या ट्रंप फिर संबंध सुधारने के लिए तैयार

टैरिफ को लेकर जहां भारत और अमेरिका के बीच तनाव जारी है, वहीं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत को महान देश तथा प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना मित्र बताना और इसके बाद प्राधानमंत्री मोदी का राष्ट्रपति ट्रंप को हार्दिक धन्यवाद का ज्ञापन करना या तो दोनों नेताओं की वूटनीति औपचारिकता मात्र है अथवा रिश्ते और खराब होने वाले हैं।

दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ने एक दिन पहले ही अमेरिका की मशहूर आईटी वंपनियों के मुख्य कार्यकारियों की बैठक के दौरान यह माना था कि उन्होंने टैरिफ की वजह से भारत को खो दिया। किन्तु उसके बाद ओवेल आफिस में संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि "भारत और अमेरिका के संबंध बहुत विशेष हैं और मौजूदा तनाव के बावजूद मैं और मोदी हमेशा दोस्त रहेंगे। वह बेहतरीन प्राधानमंत्री है। वह ग्रोट हैं। लेकिन वह जो कर रहे हैं, मुझे वह पसंद नहीं है। लेकिन भारत और अमेरिका के संबंध बेहद विशेष हैं। इसे लेकर चिन्ता की कोई बात नहीं हैं क्योंकि दोनों देशों के बीच कभी कभार ऐसे पल आ ही जाते हैं।" सच तो यह है कि जिस सवाल के जवाब में राष्ट्रपति ट्रंप ने मोदी को मित्र बताया था वह यह था कि "क्या वह भारत के साथ फिर संबंध सुधारने के लिए तैयार हैं, क्योंकि टैरिफ की वजह से दोनों देशों के संबंध बीते दो दशकों से सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं?"

दोनों देशों की हकीकत यह है कि क्वाड सम्मेलन में भारत आने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप तैयार नहीं हैं और सितम्बर में ही संयुक्त राष्ट्र महासभा के सम्मेलन में जाने से प्राधानमंत्री मोदी ने किनारा कर लिया। इसके अलावा न तो ट्रंप की कोई विशेष भारत यात्रा होने वाली है और न तो मोदी की अमेरिका की यात्रा किसी विशेष उद्देश्य से होने की संभावना है। मतलब यह कि दोनों के बीच निकट भविष्य में किसी भी तरह की बैठक की फिलहाल कोई संभावना नहीं है। दूसरी तरफ दिसम्बर में राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन का भारत आने का कार्यक्रम है तो मोदी के लगातार संपर्व रूस व चीन के नेताओं से बने हैं। मतलब यह कि क्या अमेरिका के पूर्व एनएसए जॉन बोल्टन की यह भविष्यवाणी कि ट्रंप और मोदी की दोस्ती अब बीते दौर की बात हो गई है। सच तो यह है कि बोल्टन की भविष्यवाणी ही सही साबित होने वाली है। इसका मतलब यह है कि अब भारत और ट्रंप में आपसी विश्वास, भरोसा और एक-दूसरे से उम्मीदें खत्म हो चुकी हैं। ट्रंप को लगता है कि भारत उनसे मात्र इसलिए नाराज है क्योंकि उन्होंने 50 प्रातिशत टैरिफ लगा दिया। लेकिन यही सच नहीं है यानि बात मात्र टैरिफ और पेनाल्टी की नहीं है। बात उस भरोसे की है जो ट्रंप ने तोड़कर यह साबित कर दिया कि वह अपने आपको भारत से बने संबंधों से बहुत बड़ा समझने लगे हैं। ट्रंप ने भारत को स्पष्ट संकेत दिया कि उन्होंने तो भारत की अर्थव्यवस्था को तबाह करने के लिए अपनी ताकत का इस्तेमाल कर दिया अब नई दिल्ली को जो करना हो कर ले। ऐसे प्रावृत्ति के व्यक्तित्व वाले राष्ट्रपति से भारत कोई संबंध रखने का न तो इच्छुक होगा और न ही उसकी मित्रता से खुश होगा न ही नाराजगी की परवाह करेगा। भारत बड़ी ही सावधानी से अमेरिका के साथ संबंधों को और खराब होने से बचाना चाहेगा। लेकिन ट्रंप की नाराजगी की कोई परवाह नहीं करेगा। अमेरिका के प्राति भारत की सतर्वता का एक कारण यह भी है कि अब यूरोपीय देशों की भी अमेरिका से ठन गई है।

यूरोप के देशों ने अब अमेरिकी वंपनियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाकर स्पष्ट कर दिया है कि ट्रंप और अमेरिका उनके मालिक नहीं हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है अमेरिका की टेक वंपनी गूगल पर यूरोप की ओर से 2.9 बिलियन डालर यानि 29 हजार करोड़ डालर का जुमार्ना ठोंक दिया। जुमार्ना लगाए जाने पर ट्रंप का भड़कना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि वह अमेरिकी वंपनियों पर यूरोप के जुमार्ने नहीं सहेंगे।

हैरानी की बात तो यह है कि ट्रंप का अमेरिका का कर्ज लगातार बढ़ रहा है और आज की तारीख में वह 37 ट्रिलियन डालर पार कर चुका है जो देश की अर्थव्यवस्था का 125 प्रातिशत है। इस कर्ज के भुगतान को लेकर अमेरिका काफी दबाव में है। इसके बावजूद उन्होंने मित्र देशों पर ही टैरिफ लगाकर सोचा कि इससे वह अमेरिका को समृद्ध देश बना देंगे।

चंद्र ग्रहण : दुनियाभर की अजीब मान्यताएं जिनपर यकीन करना मुश्किल, भारत से अमेरिका तक फैली हैं कहानियां

(जीएनएस)।

चंद्र ग्रहण को लेकर पूरी दुनिया में उत्सुकता रहती है। एक ओर वैज्ञानिक इसे पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा के बीच आने से बनी एक प्राकृतिक खगोलीय घटना मानते हैं, तो वहीं दूसरी ओर दुनिया की अलग-अलग संस्कृतियों और परंपराओं में इससे जुड़ी कई अजीबोगरीब मान्यताएं देखने को मिलती हैं।

साल का आखिरी चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 की रात को चंद्रमा कुंभ राशि में गोचर करते हुए पूर्ण चंद्र ग्रहण (ब्लड मून) से गुजरेगा। भारत ही नहीं, बल्कि एशिया, यूरोप, अमेरिका और अफ्रीकी देशों तक, हर जगह चंद्र ग्रहण को लेकर अलग-अलग विश्वास प्रचलित हैं। आइए जानते हैं कि दुनिया भर में लोग चंद्र ग्रहण को लेकर क्या सोचते हैं और किन परंपराओं का पालन करते हैं।

दुनियाभर में चंद्र ग्रहण से जुड़ी अजीब मान्यताएं

◯ भारतः राहु-केतु और सूतक काल की मान्यता

भारत में चंद्र ग्रहण को सबसे ज्यादा धार्मिक मान्यताओं से जोड़ा जाता है। हिंदू पौराणिक कथाओं के मुताबिक राहु और केतु नामक ग्रहण दानव चंद्रमा को निगल जाते हैं, जिस कारण चंद्रमा ढक जाता है। इसी वजह से ग्रहण को एक अशुभ समय माना जाता है।

सूतक कालः ग्रहण से लगभग 9 घंटे पहले सूतक काल शुरू हो जाता है। इस दौरान पूजा-पाठ, भोजन और यात्रा जैसी गतिविधियों पर रोक मानी जाती है।

गर्भवती महिलाओं की सावधानीः माना जाता है कि इस दौरान बाहर निकलना या तेज धार वाली वस्तुओं का प्रयोग करना बच्चे पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

◯ चीनः ड्रैगन निगल जाता है चांद

प्राचीन चीनी सभ्यता में यह विश्वास था कि जब चंद्र ग्रहण होता है तो एक विशालकाय ड्रैगन चांद को निगल लेता है। लोग ढोल-नगाड़े बजाकर या शोर मचाकर ड्रैगन को भगाने की कोशिश करते थे। आज भी चीन के कुछ हिस्सों में यह परंपरा सांकेतिक रूप से निभाई जाती है।

◯ अमेरिका की प्राचीन जनजातियांः बीमारी और बुरी आत्माएं

अमेरिका की प्राचीन जनजातियों, विशेषकर नवाजो और इनुइट समुदाय, का मानना था कि चंद्र ग्रहण के समय चांद बीमार हो जाता है। उनका विश्वास था कि बुरी आत्माएं चंद्रमा पर हमला करती हैं और उसे अपनी छाया में ले लेती हैं। इसलिए लोग इस दौरान शांति से अपने घरों में रहते थे और कोई नया काम शुरू नहीं करते थे।

◯ अफ्रीकाः सूर्य-चंद्रमा की लड़ाई

अफ्रीका के कई देशों में एक अनोखी मान्यता है। यहाँ लोग मानते हैं कि चंद्र ग्रहण उस समय होता है जब सूर्य और चंद्रमा आपस में लड़ाई कर रहे होते हैं। इस लड़ाई को खत्म कराने के लिए समुदाय एकजुट होकर ढोल पीटते और गाने गाते थे, ताकि दोनों खगोलीय पिंडों में "सुलह" हो सके।

◯ जापानः दुर्भाग्य का संकेत

जापानी संस्कृति में चंद्र ग्रहण को दुर्भाग्य का प्रतीक माना जाता था। पुराने समय में लोग मानते थे कि यह प्राकृतिक आपदाओं, युद्धों या राजाओं के पतन का संकेत है। ग्रहण के समय गर्भवती महिलाओं को खास सावधानियाँ बरतने की सलाह दी जाती थी, ताकि बच्चे को कोई हानि न हो।

◯ दक्षिण अमेरिकाः खून से रंगा चांद

माया सभ्यता और इंका सभ्यता में चंद्र ग्रहण को लेकर विशेष मान्यता थी। उनका विश्वास था कि जब चांद लाल हो जाता है (ब्लड मून), तो यह इस बात का संकेत है कि आकाशीय देवता युद्ध में हैं और चंद्रमा घायल हो गया है। इसलिए लोग देवताओं को खुश करने के लिए बलि और अनुष्ठान करते थे।

◯ यूरोपः जादू-टोना और भविष्यवाणी

मध्यकालीन यूरोप में लोग चंद्र ग्रहण को जादू-टोना और भविष्यवाणी से जोड़कर देखते थे। माना जाता था कि ग्रहण के समय चुड़ैलें और तांत्रिक सक्रिय हो जाते हैं और अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हैं। कई जगह तो इसे राजाओं के पतन और युद्धों का संकेत भी माना गया।

वैज्ञानिक दृष्टिकोणः मिथक बनाम सच्चाई

आज विज्ञान ने साफ कर दिया है कि चंद्र ग्रहण महज एक खगोलीय घटना है, जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है और चंद्रमा पर पृथ्वी की छाया पड़ती है। यह न तो बीमारी लाता है, न बच्चे को नुकसान पहुंचाता है और न ही बुरी आत्माओं का असर होता है। फिर भी, सांस्कृतिक मान्यताएं आज भी कई जगह कायम हैं।

चंद्र ग्रहण को लेकर दुनिया भर की मान्यताएं यह दिखाती हैं कि इंसान हमेशा से आकाशीय घटनाओं को रहस्यमयी मानता आया है। चाहे भारत का राहु-केतु हो, चीन का ड्रैगन, या अफ्रीका का सूर्य-चंद्र युद्ध-हर जगह इस घटना को धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से जोड़ा गया।

नोवाक जोकोविच या कार्लोस अल्कारेज, किसके पास है दौलत का खजाना? दोनों की कमाई जानकर उड़ जाएंगे होश!

यूएस ओपन 2025 अपने अंतिम पड़ाव पर है। कार्लोस अल्कारेज दमदार अंदाज में फाइनल तक पहुंच चुके हैं और खिताब जीतने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दूसरी ओर, दिग्गज नोवाक जोकोविच सेमीफाइनल में हारकर टूनार्मेंट से बाहर हो चुके हैं।

एक तरफ टेनिस के उभरते सितारे अल्कारेज हैं, जो हर मैच में आक्रामक अंदाज दिखा रहे हैं। दूसरी ओर, जोकोविच भले ही इस बार खिताब की रेस से बाहर हो गए हों, लेकिन उनकी लीजेंडरी पहचान और रिकॉर्ड्स को कोई चुनौती नहीं दे सकता।

कोर्ट पर दोनों का खेल अलग-अलग दौर की कहानी कहता है। लेकिन दिलचस्प यह है कि खेल से परे, दौलत (और ब्रांड वैल्यू के मामले में भी इन दोनों दिग्गजों की तुलना की जाती है। आइए जानते हैं आखिर किसके पास है पैसों का खजाना?

जोकोविच की दौलत का साम्राज्य

साल 2025 में नोवाक जोकोविच की नेटवर्थ करीब 250 मिलियन डॉलर (लगभग ₹2,080 करोड़) आंकी गई है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा

उनकी रिकॉर्ड-तोड़ प्राइज मनी से आता है, जो अब तक $188 मिलियन से ज्यादा हो चुकी है। सिर्फ 2025 सीजन में ही उन्होंने $3.4 मिलियन कमाए हैं। इसके अलावा उनके ग्लोबल एंडोर्समेंट, बिजनेस इन्वेस्टमेंट और रियल एस्टेट ने भी उनकी कमाई को ऊंचाई पर पहुंचाया है।

अल्कारेज की बढ़ती कमाई

युवा स्टार कार्लोस अल्कारेज की नेटवर्थ 2025 तक करीब 40 से 45 मिलियन डॉलर (लगभग ₹334 करोड़) बताई जाती है। उनकी इनकम का बड़ा हिस्सा टेनिस टूनार्मेंट जीतने की प्राइज मनी और बड़े-बड़े ब्रांड एंडोर्समेंट से आता है। नाइकी, रोलेक्स और लुई विटॉन जैसे दिग्गज ब्रांड उनके साथ जुड़े हुए हैं।

कौन आगे, कौन पीछे?

कोर्ट पर भले ही कार्लोस अल्कारेज जोकोविच को चुनौती देते नजर आते हों, लेकिन नेटवर्थ की जंग में जोकोविच का दबदबा फिलहाल कायम है। अल्कारेज की रफ्तार तेज है, मगर जोकोविच की दौलत का साम्राज्य अभी भी उनसे काफी आगे खड़ा है।

कपूर फैमिली के इस सुपरस्टार ने पूछी थी चर्चित पॉलिटिशियन की कास्ट, जवाब जानकर नहीं की फिर कभी बात!

बॉलीवुड की चर्चित कपूर फैमिली में जाति और धर्म की दीवारें नहीं रही हैं। इस परिवार में अंतजार्तीय ही नहीं दूसरे धर्म में भी शादी हुई है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि इंडस्ट्री पूरी तरह से जातिवाद की जड़ों से मुक्त है। दरअसल एक किस्सा बहुत चर्चित है

कि इस फैमिली के ही एक सुपरस्टार ने स्कूल में अपने जूनियर की जाति पूछी थी। बाद में वह जूनियर भारतीय राजनीति की चर्चित हस्तियों में से एक बने। यह किस्सा ऋषि कपूर और शशि थरूर के बीच का है।

शशि थरूर ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह मुंबई में जिस स्कूल में पढ़ते थे उसी में ऋषि कपूर उनके सीनियर थे।

थरूर ने बताया कि उस वक्त वह शायद 11 साल के ही थे जब एक रोज स्कूल के बाथरूम में ऋषि कपूर ने उनसे जाति पूछी थी और थरूर हैरान रह गए थे। उन्होंने कहा कि उस वक्त तक मुझे अपनी जाति के बारे में पता ही नहीं था।

शशि थरूर ने अपने इंटरव्यू में कहा था कि जातिवाद की जड़ें हमारे समाज में कहीं गहराई तक मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 'जब स्कूल के बाथरूम में ऋषि कपूर ने मुझसे जाति पूछी, तो मैं हैरान रह गया था। मेरे पिता ने घर में तब तक कभी हमारी जाति के बारे में बात ही नहीं की थी। मैं इसका जवाब नहीं दे सका और मैंने कहा कि मुझे नहीं पता। इस पर चिंटू (ऋषि कपूर) ने कहा कि हैरानी की बात है, तुम्हें अपनी जाति नहीं पता है।' शशि थरूर ने बताया कि इस घटना के बाद दोनों ने स्कूल में कभी बात नहीं की।

हालांकि, शशि थरूर ने बताया कि इस घटना का उनके मन पर असर पड़ा और उन्होंने घर जाकर अपने पिता से बात की थी। उनके पिता एक अंग्रेजी अखबार में बड़े पद पर थे और उन्होंने बताया कि उनका परिवार नायर कम्युनिटी से आता है।

ऋषि कपूर ने स्कूल की दुनिया से निकलकर जहां सिनेमाई पर्दे पर अपनी पहचान बनाई, तो शशि थरूर ने पहले बतौर डिप्लोमेट और फिर राजनीति में बड़ा मुकाम बनाया।

वायरल हुआ रानी चटर्जी का ऐसा वीडियो, भोजपुरी क्वीन का दिखा नया अंदाज

(जीएनएस)।

भोजपुरी इंडस्ट्री की चर्चित एक्ट्रेस रानी चटर्जी इन दिनों अपनी अपकमिंग कॉमेडी फिल्म 'चुगलखोर बहुरिया' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। फैंस बेसब्री से फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं।

रानी चटर्जी ने शेयर किया मजेदार वीडियो

हाल ही में रानी चटर्जी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह डबिंग स्टूडियो में काम करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो ने उनके फैंस के बीच नए प्रोजेक्ट्स को लेकर कयासों का बाजार गर्म कर दिया है।

रानी चटर्जी ने छोड़ा फैंस के लिए सस्पेंस

-रानी चटर्जी ने अपने इंस्टाग्राम पर डबिंग करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने केवल डबिंग शब्द लिखा है। उन्होंने ये नहीं बताया है कि वो किस फिल्म के लिए डबिंग कर रही हैं। इस सस्पेंस ने फैंस को अटकलें लगाने पर मजबूर कर दिया है।

-कई लोगों का मानना है कि ये वीडियो उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'चुगलखोर बहुरिया' या फिर 'इमरती दीदी' से जुड़ा हो सकता है। वीडियो में रानी चटर्जी का लुक बेहद सिंपल और स्टाइलिश नजर आ रहा है। उन्होंने कैजुअल आउटफिट के साथ मिनिमल मेकअप और हल्के कर्ल वाले बाल बनाए हैं।

रानी चटर्जी की अपकमिंग फिल्म 'चुगलखोर बहुरिया'

-'चुगलखोर बहुरिया' एक हल्की-फुल्की कॉमेडी फिल्म होने की उम्मीद की जा रही है। फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में इसका पहला पोस्टर जारी किया था, जिसमें रानी चटर्जी और अन्य कलाकारों की मस्ती भरी झलक देखने को मिली थी। ये फिल्म अंशुमन सिंह फिल्म क्रिएशन और मैड मूवीज बैनर तले निर्मित हो रही है।

-इसके निमार्ता अंशुमन सिंह, विनय सिंह और मधु शर्मा हैं। निर्देशक के तौर पर इश्तियाक शेख बंटी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। फिल्म के संगीत साजन मिश्रा ने तैयार किए हैं जबकि कहानी सुरेंद्र मिश्रा और विवेक मिश्रा द्वारा लिखी गई है। फैंस इस फिल्म में रानी चटर्जी के नए अवतार को देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

रानी चटर्जी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

-इससे पहले रानी चटर्जी की फिल्म 'सास-बहू चली स्वर्ग लोक' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर बी4यू चैनल पर हुआ था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। इसके अलावा, वह जल्द ही फिल्म 'परिणय सूत्र' में भी नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग फिलहाल चल रही है।

-इसके अलावा रानी चटर्जी की एक और फिल्म 'अम्मा' जल्द ही टीवी पर रिलीज होने वाली है। उनके पास कई अन्य प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनकी रिलीज का इंतजार चल रहा है।

-रानी चटर्जी की कॉमिक टाइमिंग और दमदार एक्टिंग ने उन्हें भोजपुरी इंडस्ट्री की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक बना दिया है। उनकी आने वाली फिल्मों से फैंस की

रणबीर कपूर-कैटरीना कैफ की 'ऐसी' फोटो हुई वायरल, मानव मंगलानी ने सामने रखा ऐसा सच

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर और एक्ट्रेस कैटरीना कैफ की इबिजा की वायरल तस्वीरें साल 2013 में बॉलीवुड में सनसनी बन गई थीं। इन तस्वीरों ने प्राइवेसी और मीडिया की दखलंदाजी के बारे में सवाल खड़े कर दिए थे।

रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ की फोटोज हुईं वायरल

सोशल मीडिया पर वायरल हुईं इन तस्वीरों में रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ बीच पर आराम करते दिख रहे थे। फोटोज में कैटरीना कैफ बिकिनी में और रणबीर कपूर स्विम शॉर्ट्स में नजर आ रहे थे।

वायरल तस्वीरों ने खड़े किए कई सवाल

हालांकि उस समय रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया था, लेकिन इन तस्वीरों ने इस बारे में कई सवाल खड़े कर दिए थे। फिलहाल पैपराजी मानव मंगलानी ने खुलासा किया है कि ये तस्वीरें टूरिस्ट या पैपराजी की ली हुई नहीं थीं।

पैपराजी मानव मंगलानी का चौंकाने वाला खुलासा

-पैपराजी मानव मंगलानी ने कहा है कि ये तस्वीरें रणबीर कपूर या फिर कैटरीना कैफ के किसी करीबी व्यक्ति ने मीडिया को लीक की थीं। मानव मंगलानी हाल ही में कुनिका सदानंद के पॉडकास्ट में शामिल हुए थे और उन्होंने कई बॉलीवुड प्रेम-संबंधों की खबरें सामने लाने की बात याद की।

-मानव मंगलानी ने कहा कि सेलिब्रिटी के अनुरोध के बावजूद भी वह तस्वीरें डिलीट नहीं करते, क्योंकि तस्वीरें एक न एक दिन सामने आ ही जाती हैं। उन्होंने कहा- ऐसे मामलों में थोड़ा चालाकी से काम लेना पड़ता है।

-पैपराजी मानव मंगलानी ने बताया कि उन्होंने आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे की तस्वीरें तब क्लिक की थीं, जब वह एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। उन्होंने ये भी कहा कि जब विक्की कौशल और कैटरीना कैफ दिवाली पार्टी से बाहर निकल रहे थे, तो वह ऐसे पहले फोटोग्राफर थे जिन्होंने उनकी एक साथ तस्वीरें क्लिक की थीं।

'घर में बंद रहकर अफेयर कोई नहीं करता'

-मानव मंगलानी ने कहा- आज नहीं तो कल तस्वीरें बाहर आ ही जाएंगी, क्या वह घर में बंद रहकर अफेयर करने वाले हैं? ये कोई एक रात का अफेयर तो नहीं है। लेकिन ये तस्वीरें ही सबसे ज्यादा वायरल होती हैं। पिछली बार रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ की बीच पर तस्वीरें लीक हुई थीं। वह बहुत पुरानी बात है।

-कुनिका सदानंद ने पूछा- ये वो तस्वीरें लीक हुई थीं? इस पर मानव ने जवाब दिया- हां वह उनके किसी करीबी ने लीक की थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि तस्वीरें किसने लीक की। उन्होंने ये भी कहा कि उसके बाद ऐसा कोई लीक नहीं हुआ।

-जानकारी के अनुसार रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ की तस्वीरें तुरंत वायरल हो गई थीं, जिससे सोशल मीडिया पर टैब्लॉइड की हेडलाइन और फैंस के बीच चर्चा का माहौल बन गया था।

-जहां कुछ लोगों ने इस कपल की केमिस्ट्री की तारीफ की थी और उन्हें एक साथ देखकर खुश हुए थे, वहीं कुछ लोगों ने उनकी प्राइवेसी का खुला उल्लंघन होने पर आलोचना भी की थी। इस आलोचना के बाद दोनों कलाकारों ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी थी।

-कैटरीना कैफ ने एक ओपन लेटर लिखकर अपनी निराशा व्यक्त की थी।

पोहा या उपमा, तेजी से वजन कम करने के लिए कौन सा नाश्ता चुनें?

(जीएनएस)।

भारत में नाश्ते, लंच और डिनर में तरह-तरह के डिशेज बनाए जाते हैं, लेकिन सुबह के नाश्ते में पोहा और उपमा लगभग हर घर में बनते हैं। इसे बनाना जितना आसान है, इसके फायदे उससे कहीं अधिक हैं। ये दोनों पेट को लंबे समय तक भरा रखते हैं, जिससे ओवरईटिंग से बचा जा सकता है।

लेकिन वजन घटाने के मामले में लोग अक्सर सोचते हैं कि इनमें से कौन सा ऑप्शन ज्यादा फायदेमंद रहेगा। वेट लॉस डाइट में ऐसे फूड्स शामिल करने की सलाह दी जाती है जिनमें कैलोरी कम और फाइबर, पोषक तत्व अधिक हों। इसलिए यह जानना जरूरी है कि पोहा और उपमा में कैलोरी कितनी है, इन्हें कब खाना चाहिए और ये शरीर पर किस तरह असर डालते हैं।

पोहा खाने के लाभ

पोहा, यानी चिउड़े, थोड़ा तेल, राई, करी पत्ते, प्याज और मूंगफली के साथ पकाए जाते हैं। यह हल्का, आसानी से पचने वाला और लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराता है। इसकी स्वाद में हल्कापन और जल्दी बनने की खासियत इसे सभी के लिए पसंदीदा बनाती है। पोहा में मूंगफली होने के कारण आयरन की मात्रा भी अच्छी होती है।

उपमा खाने के लाभ

उपमा सूजी (सेमोलिना) से बनाया जाता है, जिसे पहले सूखा भूनकर सब्जियों, करी पत्ते, राई और थोड़े तेल के साथ पकाया जाता है। यह नरम, स्वादिष्ट और पेट भरने वाला होता है। उपमा में डाली गई सब्जियों के कारण प्रोटीन और फाइबर की मात्रा भी बढ़ जाती है, जो वजन घटाने में सहायक हो सकती है।

पोहा और उपमा के कैलोरी और पोषण की तुलना

पोहाः लगभग 150 ग्राम पोहा में 180-200 कैलोरी होती हैं। इसमें काबोर्हाइड्रेट थोड़े कम और आयरन थोड़ी ज्यादा मात्रा में होता है।

उपमाः एक सर्विंग उपमा में लगभग 220-250 कैलोरी होती हैं। इसमें वसा की मात्रा पोषण और तेल/घी के उपयोग पर निर्भर करती है।

वजन घटाने के लिए कौन बेहतर है?

अगर आप कैलोरी गिन रहे हैं, तो पोहा हल्के होने के कारण थोड़ा बेहतर विकल्प हो सकता है। लेकिन ध्यान दें कि पोहा या उपमा में सब्जियों की मात्रा बढ़ाकर फाइबर बढ़ाया जा सकता है, जिससे लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है।

कुछ आसान टिप्स

- ज्यादा फाइबर पाने के लिए दोनों में सब्जियाँ डालें।
- तेल की मात्रा कम करें या जैतून का तेल इस्तेमाल करें।
- पोहा में मूंगफली या उपमा में घी कम डालें।
- प्रोटीन बढ़ाने के लिए अंकुरित दालें या उबली हुई दालें डालें।
- धीरे-धीरे और ध्यान से खाएं, ताकि ओवरईटिंग से बचा जा सके।

वेटलॉस के लिए क्या खाएं?

पोहा और उपमा दोनों ही स्वास्थ्यवर्धक भारतीय नाश्ते हैं और सही तरीके से तैयार किए जाएं तो वजन घटाने में मदद कर सकते हैं।

भारत और चीन के एशिया कप हॉकी मैच में कौन जीता? किसे मिली फाइनल में एंट्री

(जीएनएस)।

हॉकी एशिया कप में सुपर चार के मैच में भारत ने चीन के खिलाफ धमाकेदार अंदाज में प्रदर्शन किया और शुरूआती चार मिनट में ही आक्रामक रुख अपना लिया, चीन को हराकर भारत ने फाइनल में जगह बना ली।

शिलानंद ने गोल करते हुए भारत का खाता खोल दिया। इस तरह भारत ने बढ़त प्राप्त कर ली, सातवें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, इंजेक्शन से गेंद हरमनप्रीत के पास गई लेकिन उनका शॉट थोड़ा कमजोर होने के बावजूद दिलप्रीत ने मौके का फायदा उठाया और चीनी प्लेयर्स चकमा देकर शॉट नेट में ठोककर भारत की लीड डबल कर डाली। इसके बाद पहले क्वार्टर में दोनों तरफ से कोई अन्य गोल देखने को नहीं मिला।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने 18वें

मिनट में एक गोल दाग दिया। पेनल्टी कॉर्नर से गोल हासिल हुआ। हरमनप्रीत का शॉट ब्लॉक हो जाता है और गेंद विवेक के पास पहुंचती है। विवेक का शॉट रोकने के बाद चीनी गोलकीपर उसे पूरी तरह क्लियर करने में नाकाम रहते हैं। गेंद गोल के बेहद करीब लूज पड़ी होती है, और मंदीप ने तेजी से भागकर पॉइंट रेंज से गोल दाग दिया। इससे भारत की लीड 3-0 तक चली गई। हाफ टाइम तक यही स्कोर रहता है।

पहले हाफ के बाद भारतीय टीम ने फिर से धमाका किया और चीन को दबाव में लाते हुए गोल दाग दिया। 37वें मिनट में भारत के लिए राजकुमार ने टैप करके गेंद को बॉक्स में डाल दिया। इसके बाद सुखजीत ने गोल दाग दिया, 39वें मिनट में भारत का यह पांचवां गोल था। 46वें और 50वें मिनट में अभिषेक ने बैक टू बैक गोल करते हुए चीन की कमर ही तोड़ डाली, इससे स्कोर 7-0 हो गया। इस स्कोरलाइन के साथ टीम इंडिया ने मैच जीतकर फाइनल में जगह बना ली, फाइनल मैच में भारत का सामना अब कोरिया से होना है।

पति की हत्या और पत्नी को मरणासन्न कर लाखों की चोरी का पुलिस ने किया खुलासा : मृतक का चचेरा भाई निकला घटना का सूत्रधार

-लाखों के जेवरात, नगदी और अवैध हथियार बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना सदर बाजार क्षेत्र स्थित एनसीसी तिराहा के पास से पुलिस ने एक व्यक्ति की हत्या कर और पत्नी को बुलाकर मरणासन्न करके घर में लाखों की चोरी करने वाले शातिरों को गिरफ्तार करके घटना का खुलासा कर दिया। घटना को अंजाम दिलाने का मुख्य सूत्रधार मृतक का चचेरा भाई निकला है। पुलिस लाइन सभागार में प्रेसवार्ता करके घटना का खुलासा करते हुए सीओ सिटी आईपीएस आशना चौधरी ने बताया कि विगत 1 अगस्त को औरंगाबाद निवासी आनंद उर्फ सूखा की हत्या करने के बाद उसकी पत्नी को जंगल में ले जाकर मरणासन्न करने के बाद बदमाशों ने मृतक के घर से लाखों के जेवरात और नगदी चोरी कर ली थी। बताया कि एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देश पर थाना प्रभारी सदर बाजार अश्वनी कुमार और सर्विलांस टीम घटना का खुलासा करने के लिए बदमाशों की तलाश में सरगर्मी से लगी हुई थी। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति की हत्या करके पत्नी को मरणासन्न कर लाखों की चोरी करने वाले शातिर बदमाश एनसीसी तिराहा के पास खड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अश्वनी

कुमार और सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा पुलिस टीम में विकास शर्मा पुलिस टीम में एसआई कमल किशोर, एसआई नितिन शर्मा, एसआई अमित कुमार, एसआई शाकिब इसरार अंसारी, एसआई अरविंद सिंह, एसआई दिनेश शर्मा, एसआई पंकज कुमार, एसआई बबलू कुमार, मुख्य आरक्षी संजय सिंह, सचिन सिंह और सर्विलांस टीम के मुख्य आरक्षी रोहित जनमेदा, हरवीर सिंह, प्रवेंद्र कुमार, सुमित सिंह और प्रियंका शर्मा के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे मृतक के चचेरे भाई आदि उर्फ आदित्य पुत्र जगदीश निवासी औरंगाबाद थाना सदर बाजार, गौरव पुत्र महेश निवासी औरंगाबाद थाना सदर, अंकित पुत्र वेदप्रकाश मूल निवासी बापू नगर थाना बापू नगर जिला भीलवाड़ा (राजस्थान) हाल निवासी कदम्ब विहार थाना रिफाइनरी, फैजान पुत्र पप्पू निवासी मेवाती मोहल्ला डीगगेट थाना गोविंदनगर और विवेक उर्फ वीके पुत्र कल्याण सिंह निवासी गोपालपुरा थाना रिफाइनरी को घेराबंदी करके दबोच लिया, जबकि जीतू पुत्र विनोद कुमार निवासी कदम्ब विहार थाना रिफाइनरी पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल हो गया। पुलिस ने पकड़े गए शातिरों के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त ईको कार, एक जोड़ी सोने के कुंडल सोने, 2 जोड़ी सोने के टॉप्स, 1 सोने की नाक की नथुनी, 2 सोने की अंगूठी, 3 सोने की नाक की लौंग, 1 सोने की नाक की बाली, 1 सोने की अंगूठी, 2 चांदी के पेंडल, 1 चांदी की कर्दनी, 4 जोड़ी चांदी की पायल, 1 चांदी की कर्दनी, 1 जोड़ी चांदी के खड़वा, 1 जोड़ी बच्ची की पायल, 1 लॉकिट, 3 टूटी पायल, 31 बिछिया, 1 चांदी की अगूंठी, 7 घडी, कुछ आर्टिफिशयल आभूषण, एक मोबाइल, निशादेई से एक रिक्शा, 33 हजार 5 सौ रूपए, 2 तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। सीओ सिटी आशना चौधरी ने बताया कि मृतक आनंद उर्फ सूखा की पत्नी श्रीमती संजू ने विगत 2 अगस्त को सदर पुलिस को सूचना दी थी कि विगत 1 अगस्त की शाम 6 बजे उसके पति को किसी अजात व्यक्ति ने फोन करके भाड़े पर रिक्शा लेने के लिए बुलाया था। इसके बाद रात 11 बजे उसके पास फोन आया कि उसका पति शराब पीकर पडा हुआ है। मृतक की पत्नी गोकुल बैराज रोड़ पर पहुंची तो पकड़े गए बदमाश उसे ईको कार में डालकर ले गए थे और उसे मारपीट करके अधमरी समझ कर फरह-अछनेरा मार्ग स्थित गांव कौह के पास सड़क किनारे झाड़ियों मे फेंकने के बाद घर की चाबी लेकर वापस उसके घर आए और अलमारी में रखे लगभग 2 लाख रूपए और सोने-चांदी के आभूषण चोरी करके फरार हो गए थे।

चचेरे भाई की दोस्त के घर बुलाकर की थी हत्या : भाभी को अधमरा कर जंगल में फेंकने के बाद की थी लाखों की चोरी

मथुरा (जीएनएस)। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ की तो घटना कराने का मास्टर माइंड मृतक का चचेरा भाई निकला है। इस संबंध में जानकारी देते हुए सीओ सिटी आईपीएस आशना चौधरी ने बताया कि घटना के मास्टर माइंड मृतक आनंद उर्फ सूखा के चचेरे भाई आदि उर्फ आदित्य ने लूट करने के लिए अपने साथियों के साथ योजना बनाकर मृतक को रिक्शा लेने के बहाने अंकित शर्मा के घर बुलाया था। बताया कि जब मृतक ने चचेरे भाई आदि उर्फ आदित्य को पहचान लिया तो चचेरे भाई ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी थी।

इसके बाद मृतक के शव को लक्ष्मीनगर यमुना पुल से नीचे फेंक दिया था। बताया कि जब मृतक के पास ज्यादा कुछ नहीं मिला तो मृतक के मोबाइल से फोन करके मृतक की पत्नी श्रीमती संजू को झूठ बोलकर घर से बाहर बुलाकर उसे ईको में डालकर ले गए थे और उसे मारपीट करके अधमरी समझ कर फरह-अछनेरा मार्ग स्थित गांव कौह के पास सड़क किनारे झाड़ियों मे फेंकने के बाद घर की चाबी लेकर वापस उसके घर आए और अलमारी में रखे लगभग 2 लाख रूपए और सोने-चांदी के आभूषण चोरी करके फरार हो गए थे।

ईद मिलादुन्नबी की हकीकत और हमारा किरदार---खालिद इस्लाम

ईद मिलाद-उन-नबी का सच्चा जश्न

लखनऊ, हम झूठ बोलने वाले लोग कैसे उस आखिरी और सबसे प्यारे पैगम्बर की ईद मिलाद-उन-नबी मना सकते हैं, जिन्होंने कभी झूठ नहीं बोला? हम धोखा देने वाले लोग कैसे उस पैगम्बर की ईद मना सकते हैं जिन्होंने अपनी पूरी ज़िन्दगी में किसी को धोखा नहीं दिया? हम गुस्सैल लोग कैसे उस पैगम्बर की ईद मना सकते हैं जिन्होंने पूरी ज़िन्दगी ये सिखाया कि गुस्सा शैतानी अमल है और उन्होंने कभी किसी पर गुस्सा करके चिल्लाया नहीं? हम जो बेटियों और बेटों में भेदभाव करते हैं, कैसे उस पैगम्बर की ईद मना सकते हैं जिन्होंने कभी भी बेटा-बेटी में भेदभाव की तालीम नहीं दी, बल्कि फरमाया कि फरमांबरदार बेटी की परवरिश करके और उसकी शादी करके माता-पिता जन्नत के दरवाजे खोल सकते हैं? हम जो मजदूरों की मजदूरी देर से देते हैं, कैसे उस पैगम्बर की ईद मना सकते हैं जिन्होंने सिखाया कि मजदूर की मजदूरी उसका पसीना सूखने से पहले अदा करो? हम गाली देने वाले लोग कैसे उस पैगम्बर की ईद मना सकते हैं जिन्होंने कहा कि मोमिन कभी गाली देने वाला नहीं हो सकता?

हम जो भूखों को खाना नहीं खिलाते, कैसे उस पैगम्बर की ईद मना सकते हैं जिन्होंने भूखों को खिलाना सबसे पहली तवज्जो दी? हम लालची लोग कैसे उस पैगम्बर की ईद मना सकते हैं जिन्होंने लालच और हवस से बचने की तालीम दी? हम जो माफ करने और भूल जाने की आदत नहीं रखते, कैसे उस पैगम्बर की ईद मना सकते हैं जिन्होंने अल्लाह को राजी करने के लिए माफी और दरगुजर की तालीम दी? हम जो पड़ोसियों के साथ अच्छे रिश्ते नहीं रखते, कैसे उस पैगम्बर की ईद मना सकते हैं जिन्होंने हमेशा अच्छे और खुशहाल रिश्ते बनाए रखने की तालीम दी? हम जो अपने माता-पिता, भाई-बहनों और करीबी रिश्तेदारों के साथ अच्छे रिश्ते नहीं रखते, कैसे उस पैगम्बर की ईद मना सकते हैं जिन्होंने परिवार और रिश्तेदारों के साथ मोहब्बत और इज्जत से पेश आने की तालीम दी? हम जो अपने माता-पिता पर चिल्लाते और उनकी नाफरमानी करते हैं, कैसे उस पैगम्बर की ईद मना सकते हैं जिन्होंने माता-पिता की इज्जत और खिदमत करने की तालीम दी? हम जो बुजुर्गों और शिक्षकों का सम्मान नहीं करते, कैसे उस पैगम्बर की ईद मना सकते हैं जिन्होंने बुजुर्गों और शिक्षकों का सम्मान करने की तालीम दी? हम जो मस्जिदों में शायद ही नजर आते हैं, कैसे उस पैगम्बर की ईद मना सकते हैं जिन्होंने नमाज को अपनी आँखों की ठंडक कहा?

इसलिए सबसे पहले हमें इन तमाम बुरी आदतों को छोड़ना चाहिए जिन्हें पैगम्बर ने नापसंद किया, और उन गुणों को अपनाना चाहिए जिन्हें उन्होंने पसंद किया।

तभी हम गर्व के साथ उस आखिरी और सबसे प्यारे पैगम्बर के आगमन का सम्मान कर पाएँगे, जिन्हें अल्लाह ने "रहमत-लिल-आलमीन" कहा। यही असली ईद मिलाद-उन-नबी का जश्न होगा जो हमारी ज़िन्दगी, हमारे परिवार और पूरे समाज पर गहरा असर डालेगा। तो चलिए, तैयार हो जाइए और आगे बढ़िए।

अंनत चर्तुदशी के पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

लखनऊ, आज दिनांक 06.09.2025 को जैन धर्म के शाश्वत पर्व दसलक्षण पर्व के दसवें दिन 'उत्तम ब्रहमचर्य धर्म' दिवस / अंनत चर्तुदशी के पर्व को श्री दिगम्बर जैन मन्दिर आशियाना में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समिति के अध्यक्ष श्री चन्द्र प्रकाश जैन एवं सांगानेर से पधारे पंडित श्री उमेश जैन शास्त्री जी के मार्गदर्शन में धर्माम्बलब्बियों द्वारा श्री जी का अभिषेक एवं पूजन अत्यंत भक्ति भाव के साथ किया गया। मन्दिर जी के मूलनायक 1008 भगवान महावीर के जलाभिषेक का सौभाग्य श्री अविनाश जैन जी सुपुत्र श्री चन्द्रप्रकाश जैन को प्राप्त हुआ।

सौधर्म बनने का सौभाग्य श्री मनोज जैन-समता जैन परिवार को प्राप्त हुआ तथा श्री जी की शान्तिधारा का सौभाग्य श्री नीरज राज जैन एवं श्री अविनाश, चन्द्रप्रकाश जैन को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर समिति के मंत्री श्री अजय जैन, उपाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन, कोषाध्यक्ष श्री शरद जैन, संयुक्त मंत्री श्री अंकित जैन, श्री नवनीत जैन, श्री संजीव जैन, श्री बृजेश जैन (बंटी), श्री आशीष जैन के साथ ही महिला मंडल की अध्यक्ष अल्पना जैन, उपाध्यक्ष डॉ० सविता जैन, स्वीटी जैन, सोनी जैन, अनीता जैन, राखी जैन, रिमझिम जैन, मीनू जैन, सरिता जैन, संगीता जैन, वन्दना जैन आदि बड़ी संख्या में साधर्मी बंधु उपस्थित रहे।

श्री उमेश जैन शास्त्री जी ने सांयकालीन प्रवचन में उत्तम ब्रहमचर्य धर्म की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके उपरांत महिला मण्डल द्वारा सांसकृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

(चन्ट प्रकाश जैन)

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्यभर में पुनर्विकसित हो रहे बसपोर्ट्स का किया शिलान्यास: बीटुगेदर करेगा छह प्रमुख बसपोर्ट्स का आधुनिकीकरण

लखनऊ, 6 सितंबर 2025 : उत्तर प्रदेश के परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर को नई ऊंचाई देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी एवं माननीय परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह जी ने राज्यभर में आधुनिक बसपोर्ट्स का शिलान्यास किया। इस शिलान्यास कार्यक्रम में बीटुगेदर (ओमैक्स ग्रुप का वेंचर) द्वारा पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित किए जाने वाले छह बसपोर्ट्स में से चार का शिलान्यास किया गया। इनमें लखनऊ (विभूति खंड, गोमती नगर), गाज़ियाबाद (ओल्ड), प्रयागराज (सिविल लाइंस) और अयोध्या धाम शामिल हैं। इन चार के अलावा बीटुगेदर लखनऊ (अमौसी) और कौशांबी (गाज़ियाबाद) बसपोर्ट्स का भी विकास करेगा। लगभग ₹2,700 करोड़ के निवेश से बनने वाले ये सभी छह बसपोर्ट्स यात्री सुविधा और वाणिज्यिक गतिविधियों के समन्वय के साथ एकीकृत, भविष्य के लिए तैयार केंद्र के रूप में विकसित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन यूपीएसआरटीसी द्वारा किया गया, जिसमें श्री मासूम अली सरवर (आईएएस, प्रबंध निदेशक, यूपीएसआरटीसी) एवं श्री अमित गुप्ता (आईएएस, अध्यक्ष, यूपीएसआरटीसी एवं प्रमुख सचिव, परिवहन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार) शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान ओमैक्स और बीटुगेदर की ओर से श्री मोहित गोयल (प्रबंध निदेशक, ओमैक्स ग्रुप एवं संस्थापक, बीटुगेदर) तथा श्री सुनील कुमार सोलंकी (प्रेसिडेंट एवं बिजनेस हेड, बीटुगेदर) उपस्थित रहे। ओमैक्स ग्रुप के प्रबंध निदेशक एवं बीटुगेदर के संस्थापक श्री मोहित गोयल ने कहा, ह्यूपीएसआरटीसी द्वारा बसपोर्ट्स के आधुनिकीकरण की पहल उत्तर प्रदेश की शहरी प्रगति और बेहतर कनेक्टिविटी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें गर्व है कि हम

छह बसपोर्ट्स को आधुनिक और एकीकृत ट्रांज़िट हब में बदलने में सहयोग कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य सिर्फ यात्री सुविधाओं को बढ़ाना ही नहीं, बल्कि आर्थिक विकास और सामुदायिक विकास के नए अवसर भी बनाना है। यूपीएसआरटीसी के साथ साझेदारी कर हम राज्य की कनेक्टिविटी और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के मिशन का हिस्सा बनकर गौरव महसूस कर रहे हैं।ह्व आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे नए बसपोर्ट्स नए बसपोर्ट्स पारंपरिक बस टर्मिनलों से कहीं आगे बढ़कर अगली पीढ़ी के ट्रांज़िट हब के रूप में विकसित किए जा रहे हैं। इनमें ऑटोमेटेड टिकटिंग, डिजिटल शेड्यूल बोर्ड, एयर कंडिशन्ड लाउंज, एस्केलेटर, लिफ्ट, स्मार्ट सिक्योरिटी सिस्टम और चार्जिंग स्टेशन जैसी आधुनिक यात्री सुविधाएँ होंगी। इसके साथ ही रिटेल आउटलेट्स, फूड कोर्ट, बैंक्वेट हॉल, स्टूडियो अपार्टमेंट्स और ऑफिस स्पेस जैसी व्यावसायिक गतिविधियाँ भी शामिल होंगी, जिससे ये बसपोर्ट्स अपने-अपने शहरों में जीवंत आर्थिक केंद्र बनेंगे। हर परियोजना को प्रमुख रेजिडेंशियल और कमर्शियल सेक्टर्स के आसपास रणनीति के तहत स्थापित किया गया है, जिससे यात्रियों और व्यवसायों को बेहतर कनेक्टिविटी व सुविधाएं मिलें। इन बसपोर्ट्स का विकास पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप, ओवरऑल डेवलपमेंट और ओमैक्स के अनुभव पर आधारित है, जो न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर की खाई को पाटेगा बल्कि सामाजिक-आर्थिक प्रगति को भी गति देगा। बीटुगेदर के बारे में

भारत की 11 बेटियों को मिलेगा सर्वाधिक ऊंचाई वाले पर्वतारोहण का प्रशिक्षण

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने एम3एम फाउंडेशन के नीव से शिखर तक के दूसरे बैच को किया रवाना

लखनऊ। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने नई दिल्ली के प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में ह्वनींव से शिखर तक' के दूसरे बैच को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस समारोह में एम3एम फाउंडेशन के प्रबंध न्यासी एवं अध्यक्ष डॉ. ऐश्वर्य महाजन; भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के उप महानिदेशक मयंक श्रीवास्तव, आईपीएस; और फिट इंडिया मूवमेंट के निदेशक नदीम भी उपस्थित थे। इस अवसर पर, एम3एम फाउंडेशन की चेयरपर्सन एवं ट्रस्टी डॉ. पायल कनोडिया ने अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए बताया कि, 'ह्वनींव से

शिखर तक' एक पर्वतारोहण पहल से कहीं बढ़कर है यह एक नेतृत्व यात्रा है जो जमीनी स्तर से शुरू होकर महानता की ओर बढ़ती है। ये युवा लड़कियां न केवल चोटियों पर चढ़ रही हैं; वे बाधाओं को तोड़ रही हैं और जो संभव है उसे फिर से लिख रही हैं। बैच 2 के साथ, हमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा की महत्वाकांक्षी बेटियों को यह अवसर प्रदान करने पर गर्व है। हमारा मिशन यह सुनिश्चित करना है कि सपने देखने वाली हर लड़की को शारीरिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से आगे बढ़ने के लिए उपकरण, प्रशिक्षण और आत्मविश्वास दिया जाए।'

बैच 2 में, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा की 11 वंचित लड़कियों का एक नया समूह अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान, मनाली में एक निःशुल्क बुनियादी पर्वतारोहण पाठ्यक्रम से गुजरेगा। भारत की फिट इंडिया एम्बेसडर के मार्गदर्शन में, लड़कियों को रॉक क्राफ्ट (चढ़ाई, रैपलिंग, जुमारिंग), स्नो और आइस क्राफ्ट (सीढ़ियाँ काटना, आइस एक्स अरेस्ट, क्रैम्पन का उपयोग), रस्सी का काम (गाँठ बनाना, लंगर डालना, नदी पार करना) और जीवन रक्षा कौशल (तंबू लगाना, आश्रय बनाना, ऊंचाई पर रहना) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ, उन्हें नेतृत्व विकास सत्रों में भी शामिल किया जाएगा, जो टीम वर्क, अनुशासन और लचीलेपन पर जोर देंगेकृउन्हें न केवल पहाड़ों पर चढ़ने के लिए, बल्कि आत्मविश्वास और शक्ति के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार करेंगे।

इलेक्टा भारत में कैंसर मरीजों के लिए एडैप्टिव रेडियेशन थेरेपी के क्षेत्र में परिवर्तन ला रहा है

लखनऊ में आयोजित प्रायोगिक शैक्षणिक और वैज्ञानिक सिंपोजियम में सटीक केयर तथा कैंसर के प्रभावशाली इलाज की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ऑन्कोलॉजिस्ट्स को आवश्यक कौशल और क्लिनिकल ज्ञान प्रदान किया गया

लखनऊ , 6 सितंबर, 2025: भारत में हर साल कैंसर के 1.4 मिलियन (14 लाख) नए मरीज सामने आते हैं। इनमें से ज्यादातर मरीजों में कैंसर का निदान काफी एडवांस्ड स्टेज में पहुँचने के बाद होता है। लेकिन फिर भी कैंसर के इलाज के लिए एडवांस्ड रेडियेशन थेरेपी की उपलब्धता काफी असमानतापूर्ण बनी हुई है। मुख्यतः मेट्रो शहरों के बाहर स्थिति और अधिक चिंताजनक है। एडवांस्ड रेडियेशन थेरेपी में कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने और ट्यूमर को सिकोड़ने के लिए अत्यधिक उच्च तीव्रता की एक्स-रे का उपयोग किया जाता है। प्रेसिजन रेडियेशन थेरेपी में ग्लोबल लीडर, इलेक्टा ऑन्कोलॉजिस्ट्स को एडैप्टिव रेडियेशन थेरेपी (एआरटी) का प्रशिक्षण देकर कैंसर के इलाज की एक समान उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एआरटी तकनीक में क्लिनिशियन मरीज की थेरेपी के दौरान दैनिक, हाई-क्वालिटी इमेजिंग के आधार पर इलाज की योजना में संशोधन कर सकते हैं। इस संशोधन द्वारा ट्यूमर पर ज्यादा सटीक लक्ष्य साधने में मदद मिलती है, फिर चाहे ट्यूमर की आकृति, आकार या स्थान में बदलाव ही क्यों न हो गया हो। ट्यूमर के आकार में यह बदलाव शरीर की आंतरिक संरचना में होने वाले परिवर्तनों, जैसे किसी दिन ब्लैडर या आँतों के भरा हुआ होने और किसी दिन उनके खाली होने के कारण हो सकता है। एआरटी तकनीक द्वारा ट्यूमर पर ज्यादा बेहतर लक्ष्य केंद्रित हो पाता है, इसलिए रेडियेशन कम देना पड़ता है और अन्य अंग साईड इफेक्ट या टॉक्सिक प्रभाव के जोखिम से बच जाते हैं।

भारत में हर साल कैंसर के 14 लाख नए मरीज सामने आने के कारण एआरटी जैसी तकनीक अत्यधिक महत्वपूर्ण है, जो परिणामों में सुधार करके बेहतर जीवन प्रदान कर सकती है। कैंसर के सभी मामलों में सिर और गले के कैंसर लगभग 30 प्रतिशत हैं, वहीं महिलाओं को आम तौर से सर्विकल कैंसर और स्तन कैंसर होता है।

दैनिक इलाज में एआरटी को शामिल करना

लखनऊ में हाल ही में आयोजित

की गई प्रायोगिक वर्कशॉप और वैज्ञानिक सिंपोजियम भारत में ऑन्कोलॉजी के परिवेश में एआरटी का विस्तार करने के इलेक्टा के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। इलेक्टा कनेक्ट नामक इस कार्यक्रम में एप्लाईड अपस्किलिंग वर्कशॉप, विशेषज्ञों द्वारा लैक्चर, पैनल वाताओं का आयोजन हुआ और एआरटी द्वारा किए जा रहे इलाज का लाईव प्रदर्शन किया गया।

इलेक्टा इंडिया के वाईस प्रेसिडेंट, शंकर शेषाद्री ने कहा, ह्यह्यइलेक्टा कनेक्ट के माध्यम से हम भारत में एडैप्टिव रेडियेशन थेरेपी के उपयोग को बढ़ावा देना चाहते हैं। हम खासकर अत्यधिक दबाव वाले इलाकों में ऑन्कोलॉजिस्ट्स को वो टूल्स और विशेषज्ञता प्रदान करना चाहते हैं, जो उन्हें प्रेसिजन के साथ कैंसर का इलाज करने में मदद करें। एआरटी अब कैंसर मरीजों के लिए एक मानक इलाज बनता जा रहा है।

डॉ. शरद सिंह, एचओडी, रेडियोथेरेपी, कल्याण सुपर स्पेशियल्टी कैंसर इंस्टीट्यूट, लखनऊ ने कहा, "एडैप्टिव रेडियेशन थेरेपी उन मरीजों के लिए बहुत आवश्यक है, जिनका कैंसर एडवांस्ड स्टेज में पहुँच चुका है। यह प्रेसिजन के साथ इलाज करने में समर्थ बनाती है, जिसके साईड इफेक्ट बहुत कम होते हैं और मरीजों को एक बेहतर जीवन प्राप्त होता है। अगर कैंसर का निदान समय पर हो जाता है, तब इस विधि की मदद से सफल परिणाम मिलने की संभावनाएं तथा पूरे देश में कैंसर केयर की समानतापूर्ण उपलब्धता सुनिश्चित करने के अवसर काफी अधिक बढ़ जाते हैं।"

डॉ. नीरज रस्तोगी, डायरेक्टर, डिपार्टमेंट ऑफ रेडियेशन ऑन्कोलॉजी, मेदांता हॉस्पिटल, लखनऊ ने कहा, "एडैप्टिव रेडियो थेरेपी द्वारा हम रोज इलाज की योजना में शरीर में होने वाले परिवर्तनों के अनुरूप अनुकूलन कर सकते हैं, जो खासकर सिर और गले के कैंसर में अक्सर होते रहते हैं।

उत्तर प्रदेश, आईआईटी खड़गपुर और रोड सेफ्टी नेटवर्क ने सड़क सुरक्षा के लिए सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए साझेदारी की

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए चरणबद्ध कार्रवाई, कड़ाई से कानून लागू करने और IIT खड़गपुर से तकनीकी समर्थन की अपील की।

यूपी में भारत में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएँ दर्ज की गई हैं—नई साझेदारी का लक्ष्य प्रणालीगत समाधान और मापने योग्य परिणाम सुनिश्चित करना है।

लखनऊ, 6 सितंबर 2025 — सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह MoU दुनिया भर में मान्यता प्राप्त सेफ सिस्टम अप्रोच को लागू करने के लिए किया गया है—यह एक प्रमाण-आधारित ढांचा है, जो ट्रैफिक चोटों और मृत्यु दर को कम करने में प्रभावी साबित हुआ है।

यह टङ्कव उत्तर प्रदेश ट्रांसपोर्ट इवेंट के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में सम्माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह, परिवहन आयुक्त श्री बी.एन. सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया।

इस साझेदारी की आवश्यकता को MoRTH 2023 रिपोर्ट द्वारा रेखांकित किया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश में 23,652 मौतों और 44,500 से अधिक दुर्घटनाओं का रिकॉर्ड है, जो पूरे देश में सबसे अधिक हैं। राज्य में मृत्युदर 2022 की तुलना में 4.7% बढ़ी है, और केवल ओवरस्पीडिंग के कारण लगभग 70% मौतें हुईं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा,

"सड़क दुर्घटनाओं ने COVID-19 महामारी से भी अधिक जानें ली हैं, और यह हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इसे पार करने के लिए, हमें अल्पकालिक और दीर्घकालिक कार्रवाई योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू करना होगा। सड़क सुरक्षा केवल बुनियादी ढांचे के उन्नयन तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवहार में बदलाव और कानूनों का कड़ाई से पालन भी आवश्यक है। हमें प्रमुख जोखिम कारकों—ओवरस्पीडिंग, शराब पीकर ड्राइविंग, हेलमेट और सीटबेल्ट का उपयोग न करना—को संबोधित करना होगा, साथ ही नियमित ड्राइवर परीक्षण, मेडिकल फिटनेस जांच और आधुनिक तकनीक का उपयोग सुनिश्चित करना होगा। IIT खड़गपुर के साथ यह साझेदारी हमारे सड़क सुरक्षा उपायों के तकनीकी कार्यान्वयन को मजबूत करेगी, जिससे नीति और विज्ञान हाथ में हाथ डालकर उत्तर प्रदेश को भारत के लिए एक मॉडल राज्य बनाएंगे।"

उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह ने कहा,

"सड़क सुरक्षा हमारी सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। क्क्छ खड़गपुर के साथ यह सहयोग हमारी गंभीरता और तत्परता को दर्शाता है। प्रमाण-आधारित रणनीतियों, गति प्रबंधन और सख्त प्रवर्तन के माध्यम से, हम जीवन बचाएंगे और हर नागरिक के लिए सुरक्षित सड़कें बनाएंगे।"

राज्य रोड सेफ्टी एक्शन प्लान (SRSAP) और हाल ही में अपनाए गए स्पीड मैनेजमेंट गाइडलाइंस के आधार पर, इस पहल में IIT खड़गपुर की तकनीकी विशेषज्ञता को उत्तर प्रदेश की नीति नेतृत्व क्षमता के साथ जोड़ा गया है। रोड सेफ्टी नेटवर्क (RSN) और सड़क सुरक्षा वकालत में अग्रणी NGO Consumer VOICE भी सार्वजनिक जागरूकता, जवाबदेही और प्रमाण-आधारित हस्तक्षेप को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

एक तकनीकी सलाहकार समूह, जिसमें अकादमिक, सरकारी और नागरिक समाज के विशेषज्ञ शामिल हैं, हस्तक्षेपों को मार्गदर्शन देगा, प्रगति की निगरानी करेगा और प्रमाण-आधारित नीति निर्माण सुनिश्चित करेगा। प्राथमिक क्षेत्र में उच्च-जोखिम मार्गों पर गति प्रबंधन, तकनीक आधारित दुर्घटना डेटा प्रबंधन, सुरक्षित सड़क डिजाइन और व्यापक जन शिक्षा शामिल हैं।

IIT खड़गपुर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर और रोड सेफ्टी नेटवर्क के सदस्य डॉ. भार्गव मैत्रा ने कहा,

"हमारा दृष्टिकोण नीति और विज्ञान को सिंक्रनाइज करना है—सुनिश्चित करना कि हर हस्तक्षेप डेटा-आधारित हो और मापने योग्य प्रभाव के लिए निगरानी की जाए। गति प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण मोर्चा है।"